सेंट एंड्र्यूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-6	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:४ बूढ़ी काकी

मौखिक प्रश्न उत्तर

प्र०१) काकी के परिवार में कौन-कौन थे?

उ०) काकी के परिवार में उनका भतीजा बुद्धिराम, उसकी पत्नी रूपा तथा उनके तीन बच्चे थे।

प्र०२) काकी ने अपनी सारी संपत्ति किसके नाम कर दी थी?

उ०) काकी ने अपनी सारी संपत्ति अपने भतीजे बुद्धिराम के नाम कर दी थी।

प्र०३) लाडली कौन थी?

उ०) लाडली बुद्धिराम की बेटी थी।

प्र०४) रूपा कौन थी?

उ०) रूपा बुद्धिराम की पत्नी थी।

प्र०५) लाडली ने अपने हिस्से की पुड़िया कहाँ छिपाकर रखी थी?

उ०) लाडली ने अपने हिस्से की पुड़ियाँ गुड़ियों की पिटारी में छुपाकर रखी थी।

प्र०६) काकी ने लाडली को कहाँ ले चलने को कहा?

उ०) काकी ने लाडली से वहाँ ले चलने को कहा जहाँ मेहमानों ने बैठकर भोजन किया था।

लिखित प्रश्न उत्तर

प्र०१) काकी अपने कष्टों की और आकर्षित करने के लिए क्या करती थी?

उ०) काकी अपने कष्टों की ओर आकर्षित करने के लिए गला फाड़-फाड़ कर रोती थी।

प्र०२) पंडित बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई किसलिए बज रही थी?

उ०) पंडित बुद्धिराम के बड़े बेटे मुखराम का तिलक आया था, इसीलिए उसके द्वारा पर शहनाई बज रही थी।

प्र०३) पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी ने क्या किया?

उ०) पूड़ियों की सुगंध से बेचैन होकर काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरी और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास जा बैठी।

प्र०४) काकी को कड़ाह के पास देखकर रूपा ने क्या किया?

उ०) काकी को कड़ाह के पास देखकर रूपा जल- भुन गई वह अपना क्रोध रोक न सकी । वह काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली ,"कोठरी में बैठते हुए क्या दम घुटता था ?अभी भगवान को भोग नहीं लगा मेहमानों ने नहीं खाया तब तक धैर्य न हो सका? गाँव देखेगा तो क्या कहेगा कि बुढ़िया भरपेट खाने को नहीं पाती तभी तो इस तरह मुँह बाये फिरती है।" रूपा के ऐसे कटु वचन सुनकर काकी रेंगते हुए वापस कोठरी में चली गई।

प्र०५) काकी जब आँगन में आई तो वहाँ क्या हुआ?

उ०) काकी जब आँगन में आई तो वहाँ बैठे कई आदमी उठ खड़े हुए। वह कहने लगे," अरे यह बुढ़िया कौन है? यहाँ कहाँ से आ गई? पंडित बुद्धिराम काकी को वहाँ देखते ही क्रोध से तिलमिला गए। लपककर उन्होंने काकी के दोनों हाथ पकड़े और घसीटते हुए लाकर उन्हें कोठरी में धम्म से पटक दिया।

प्र०६) लाडली ने किस प्रकार कई को पुड़ियाँ खिलाई?

उ०) लाडली ने अपने हिस्से की पूड़ियाँ बिल्कुल न खाई थी। उसने पुड़ियाँ गुड़ियाँ की पिटारी में बंद कर रखी थी। जब लाडली को विश्वास हो गया की अम्मा सो रही हैं, तो वह चुपके से उठी और पिटारी उठाकर काकी की कोटरी की ओर चली । कोठरी में काकी लेटी हुई थीं। लाडली ने काकी को आवाज़ लगाई। काकी झटपट उठ बैठी, दोनों हाथों से लाडली को टटोला और उसे गोद में बिठा लिया । लाडली ने पूड़ियाँ निकालकर काकी को दीं। काकी पुड़ियों पर टूट पड़ीं ।पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई ।

प्र०७) वह कौन सा दृश्य था जिसने रूपा को द्रवित कर दिया?

उ०) बूढ़ी काकी जूठे पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा- उठाकर खा रही थीं। इस दृश्य ने रूपा को द्रवित कर दिया।

मूल्यपरक प्रश्न उत्तर

प्र०१) 'लाडली काकी के पास जाकर उन्हें धैर्य देना चाहती थी।' इससे लाडली के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है?

उ०) इससे पता चलता है कि लाडली काकी से बहुत प्रेम करती थी। लाडली समझदार एवं संयमी थी । वह काकी के स्वभाव और भावनाओं को भली-भाँति समझती थी।

प्र०२) हमें अपने बड़े- बुजुर्गों के प्रति कैसा व्यवहार रखना चाहिए।

उ०) हमें अपने बड़े- बुजुर्गों के प्रति आदर सम्मान का व्यवहार रखना चाहिए ।उनकी देखभाल करनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।